Dainik Bhaskar Feb 17 2020

थाने में रिपोर्ट न लिखें तो उच्च अधिकारियों को बताएं, जरूरत पड़े तो कोर्ट भी जा सकते हैं : डीजे

विश्वविद्यालय : राजनीति विज्ञान विभाग में एक दिवसीय कार्यशाला हुई

भास्कर संवाददाता | सागर

कई बार ऐसा भी देखने में आता है कि फरियादी की थाने में शिकायत दर्ज नहीं होती। ऐसी स्थिति में संबंधित को पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों को पूरा मामला बताना चाहिए। वहां आवेदन करना चाहिए। यदि फिर भी सुनवाई न हो तो फरियादी न्यायालय की शरण ले सकता है।

यह बात जिला एवं सत्र न्यायाधीश एसके शर्मा ने डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान एवं लोक प्रशासन विभाग में 'न्यायपालिका की बदलती भूमिका एवं विधिक जागरूकता' विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला को विधिक जागरूकता की दिशा में सराहनीय कदम बताया।

एडीजे अरविंद कुमार जैन ने न्यायपालिका की सक्रियता पर विचार रखे। एडिशनल एसपी पंकज कुमार पांडेय ने यातायात नियम, महिला एवं बाल सुरक्षा मुद्दे, साइबर क्राइम आदि अनेक विषयों पर विद्यार्थियों को जागरूक किया। डॉ. आफरीन खान द्वारा घरेलू हिंसा पर व्याख्यान दिया गया। आरकेएस चौहान ने डायल 100 पर व्याख्यान दिया, जिसमें उन्होंने डायल 100 की जानकारी देते हुए सभी को एक दूसरे की मदद करने की बात की और उसमें पुलिस की भूमिका के बारे में भी बताया कि किस तरह पुलिस डायल-100 द्वारा किसी की मदद करती है।

सागर. कार्यशाला में मौजूद शिक्षक और विद्यार्थी। इनसेट: संबोधित करते डीजे।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रभारी कुलपति प्रो. एमएस तिवारी ने की। समापन सत्र में अध्यक्षता कर रहीं प्रो. चंदा बेन ने भी इसे अच्छा आयोजन बताया। विशिष्ट अतिथि प्रो. अशोक अहिरवार एवं प्रो. आशीष वर्मा थे।

इस मौके पर न्यायाधीश मनीष शर्मा एवं सचिव अमित सिंह सिसोदिया सहित डीन प्रो. एपी दुबे भी मौजूद रहे। स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष डॉ. अनुपमा कौशिक ने दिया। आभार कार्यक्रम संयोजक डॉ. नेहा निरंजन ने माना।

छात्रों का हंगामा, भेदभाव के लगाए आरोप

राजनीति विज्ञान विभाग में चल रही कार्यशाला के दौरान जमकर हंगामा भी हुआ। विवि के अधिकारियों से लेकर डीजे एवं अन्य अतिथि मौजूद थे। इसी दौरान कुछ विद्यार्थियों ने यह कहते हुए विरोध जताना शुरु कर दिया कि कार्यक्रम को लेकर भेदभाव किया जा रहा है। नारेबाजी करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि आयोजकों ने जानबूझकर हमें इस आयोजन में शामिल नहीं किया।

Scanned with OKEN Scanner